**भारत सरकार**

**विद्युत मंत्रालय**

**....**

 **राज्य सभा**

अ**तारांकित प्रश्न संख्या-93**

**जिसका उत्तर** 24 नवंबर**, 2014 को दिया जाना है ।**

**विद्युत पारेषण लाइनों का उपयोग**

**93. श्री सालिम अन्सारीः**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पी. जी. सी. आई. एल.) ने विद्युत पारेषण लाइनों की उपयोगिता का आकलन करने हेतु कोई भी तंत्र स्थापित नहीं किया है जिसके परिणाम स्वरूप ‘संकुलन’ और ‘अतिरेक’ वाले क्षेत्र उभरे हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि ‘संचयी पारेषण क्षमता’ और ‘संचयी अंतरण क्षमता’ के बीच बड़ा अंतर है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है एवं इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**विद्युत, कोयला एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क) और (ख) :** पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) की एक सहायक कम्पनी पावर सिस्टम आपरेशन कम्पनी (पोसोको) विद्युत पारेषण लाइनों की उपयोगिता का नियमित आकलन करती है। यह केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा अनुमोदित दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न पारेषण कारीडोरों में कुल अन्तरण क्षमता (टीटीसी), उपलब्ध अन्तरण क्षमता (एटीसी) और अन्तरण विश्वसनीयता मार्जिन (टीआरए**म**) की गणना करके किया जाता है। देश में विकसित की जा रही पारेषण प्रणाली में भी पोसोको की सिफारिश पर विचार किया जाता है ताकि पारेषण कारीडोरों में व्यस्तता को समाप्त अथवा और कम किया जा सके।

**(ग) और (घ) :** जहां तक कुल अन्तरण क्षमता और उपलब्ध अन्तरण क्षमता के बीच अन्तर का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि अन्य बातों के साथ-साथ सुरक्षित ग्रिड प्रचालन मानकों को ध्यान में रखते हुए एटीसी की गणना की जाती है।

आगे यह भी स्पष्ट किया जाता है कि पारेषण ग्रिड विभिन्न क्षमताओं अनेक पारेषण लाइनों की एक अन्तर-संबंधी मेश नेटवर्क है और एटीसी में ग्रिड से जुड़ी सभी पारेषण लाइनों की वोल्टेज स्थिरता और कोणीय स्थिरता जैसी बाधाओं का ध्यान रखा जाता है।

\*\*\*\*\*\*\*\*